X

हिंदी

ANSWER KEY 17

HINDI WORKSHEET-17

तिरुवनंतपुरम शैक्षिक जिला

उत्तर सूचिका -17

कक्षा : 10

1. बेला और साहिल जिस स्कूल में पढ़ते थे, वह पाँचवीं तक ही था।

2. तुम

3. मेरी माँ कह रही थी कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगी।

4.

स्थान :स्कूल का मैदान ।

समय : सुबह दस बजे।

पात्र : बेला और साहिल। करीब ग्यारह साल के बच्चे। दोनों वर्दी पहने हैं।

दृश्य : बेला और साहिल हाथ में रिपोर्ट कार्ड लिए मैदान के बेंच पर बैठे हैं।

बेला : साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे ?

साहिल : और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला ?

बेला : मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे और तुम ?

साहिल : मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।

बेला : क्यों साहिल ?

साहिल : पता नहीं क्यों ?

बेला : तो यानी कि अब तुम फुलेरा में ही नहीं रहोगे ?

साहिल : नहीं । तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड दिखाना।

बेला : यह लो। और तुम्हारा ?

(साहिल और बेला एक दूसरे का रिपोर्ट कार्ड देखते हैं।)

5.

अजमेर
तारीख

प्रिय बेला,

कैसी हो बेला ? मैं यहाँ ठीक हूँ। बहुत दिनों से सोच रहा था कि तुम्हें एक पत्र लिखूँ। आज ही समय मिला।

यहाँ मेरा मन बिलकुल नहीं लग रहा है। अपने गाँव से दूर .... घर से दूर .... तुमसे दूर .... अकेला .... अकेला .... ! हम कितने खुश थे न बेला ? साथ-साथ खेलना, स्कूल जाना, बीरबहूटियों को खोजना ... बस मस्ती- ही-मस्ती ! अब कुछ नहीं रह गया। इधर तो मेरे कुछ दोस्त हैं, लेकिन .....

घर में सब सुखी हैं न ? माँ-बाप को प्रणाम। जवाब की प्रतीक्षा में .....

तुम्हारा अपना,

हस्ताक्षर
साहिल

पता
.....
.....

6. लघुमानव

7. मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत !

8. दुस्साहसी

9.

कवि कहते हैं कि मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ। लेकिन अनुपयोगी समझकर मुझे फेंको मत। महाभारत युद्ध के समय चक्रव्यूह में फँसे अभिमन्यु को महारथियों ने धोखे से शस्त्रहीन बनाया। तब अभिमन्यु ने टूटे हुए पहिए के सहारे युद्ध किया। उसी प्रकार वर्तमान समाज में सच्चाई की स्थापना के लिए कोई साहसी पुरुष आ जाए तो बेकार समझे जानेवाले लघु मानव उसके लिए सहारा बन सकता है।